दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 गोरखपुर जिले में बिना प्रदूषण विभाग की एनओसी लिए चल रहे 250 उद्योग

5 बारात आने से पहले वोटिंग करने पहुंची स्वाति

8 बतौर ओपनर विराट कोहली का बड़ा कारनामा आईपीएल में पूरे किए 4000 रन

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 40 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 29 अप्रैल, 2024

जेईई मेंस में गोरखपुर के हिमांशु यादव प्रदेश में अव्वल

गोरखपुर। जेईई मेंस का रिजल्ट जारी होते ही छात्रों में उत्साह के लहर दौड़ पड़ी। पादरी बाजार क्षेत्र के जंगल धूषण स्थित एकेडमिक ग्लोबल स्कूल के छात्रों ने परचम लहराते हुए कीर्तिमान स्थापित किया। विद्यालय के हिमांशु यादव ने 100 परसेंटाइल स्कोर कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया। देश के इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए सबसे बड़ी परीक्षा में कुल 56 विद्यार्थियों ने 100 परसेंटाइल प्राप्त किया है।

हिमांशु को ऑल इंडिया 32वीं रैंकिंग मिली है जबकि ओबीसी कैटेगरी में देश में 7वां स्थान और उत्तर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इसके अलावा विद्यालय के दर्जनों छात्रों ने 90 परसेंटाइल स्कोर कर विद्यालय व क्षेत्र का मान बढ़ाया।

इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए विद्यालय के चेयरमैन ई. संजीव कुमार ने कहा कि यह छात्रों की कड़ी लगन व शिक्षकों की मेहनत का फल है जिससे आज यह छात्र सफल हो सके हैं। अन्य छात्रों को इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि लगातार कठिन परिश्रम करने से कोई भी चीज असंभव नहीं है, छात्रों को सतत प्रयास करते रहना चाहिए। हिमांशु यादव ने कहा कि विद्यालय में प्रबंधन समिति व शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन की वजह से यह उपलब्धि हासिल हुई है । विद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए चलाए रहे विभिन्न प्रोग्राम, नोट्स, मॉक टेस्ट, एक्स्ट्रा क्लासेस व डाउट क्लीयरेन्स क्लासेस से काफी मदद मिली है।

हिमांशु यादव ने 100 परसेंटाइल स्कोर कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय के चेयरमैन ई. संजीव कुमार निदेशक राजेश कुमार, सहायक निदेशक संदीप कुमार, प्रधानाचार्य वीसी चाको, एडमिनिस्ट्रेटर अफरोज खान सहित अन्य शिक्षकों ने छात्रों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी।

महाराजगंज जिले में इंस्पेक्टर पद पर तैनात है हिमांशु के पिता

गोरखपुर शहर के पादरी बाजार स्थित जंगल हकीम नंबर–1, श्यामेन्द्र नगर निवासी हिमांशु यादव मूल रूप से गाजीपुर जिले के सैदपुर तहसील क्षेत्र के पचारा गांव के निवासी हैं। उनके पिता संजय यादव वर्तमान में महराजगंज कोतवाली थाने में इंसपेक्टर क्राइम के पद पर तैनात हैं। पूरा परिवार गोरखपुर में ही रहता है। हिमांशु ने जंगल धूसड़ स्थित ग्लोबल एकेडमी से पढ़ाई करते हुए इस वर्ष ही इंटरमीडिएट की परीक्षा दी है। हिमांशु के जेईई मेंस में 100 परसेंटाइल पाने की सूचना मिलबे के बाद गोरखपुर, महराजगंज से लेकर गाजीपुर तक जश्न का माहौल है।

डेढ़ किलो सोना और डेढ़ करोड़ रुपये के साथ तीन भारतीय सहित सात गिरफ्तार

गोरखपुर। आरोपियों के पास से 1768.25 ग्राम सोना और एक करोड़ 43 लाख 60 हजार रुपये बरामद हुए। केस दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है। नेपाल काठमांडों पुलिस ने नकदी और सोने के साथ तीन भारतीय नागरिक सहित सात लोगों को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है। गिरफ्तार किए गए सात लोगों में चार नेपाली और तीन भारतीय नागरिक हैं, जो महाराष्ट्र के निवासी बताए गए है। डेढ़ किलो से अधिक सोना और करीब डेढ़ करोड़ रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस डीएसपी राजन श्रेष्ठ ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि कुछ लोग अवैध सोने का कारोबार कर रहे हैं। पुलिस टीम तलाशी के लिए गई और मौके से गणेश दत्त बडू निवासी महाकाली नंबर पालिका को गिरफ्तार किया। इसी के साथ अन्य छह लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि उनके पास से 1768.25 ग्राम सोना और एक करोड़ 43 लाख 60 हजार रुपये बरामद हुए। केस दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

शुरू हुई नई पैंतरेबाजी

राजनीतिक माहौल ऐसा कि हर कोई भौचक

गोरखपुर । कैसरगंज लोकसभा सीट पर किसी भी दल ने अभी पत्ते नहीं खोले हैं। सियासी रण में टिकट की गुत्थी में उलझे दलों से जनता को उबारने का दांव चला गया है। सन्नाटे से बेसुर माहौल में सियासी बयार से पैठ बनाने की दस्तक तेज हो गई है। संसदीय चुनाव के दौर में एक नई इबारत लिखने की ओर बढ़ रहे कैसरगंज क्षेत्र की चर्चा प्रदेश ही नहीं, पूरे देश में हो रही है। सन्नाटे के दौर से गुजर रहे कैसरगंज के सियासी रण में बहार लाने की कोशिशें अब रंग दिखाने लगीं हैं। कयासों की कलाबाजियों में थमी सियासी बयार से बेसुरे हो रहे माहौल में सुरों का रस घोलने की कवायद से कई संकेत मिले हैं।

टिकट की गुत्थी में उलझे दलों में भी हाल के दिनों में सियासी रण में शुरू हुए कदमताल से हलचल मच गई है। यह अलग बात है कि लाख प्रयासों के बाद भी कोई दल चुप्पी तोड़ने को तैयार नहीं है। इससे सियासी माहौल की तपिश बढ़ नहीं रही है, जबकि रणबांकुरों के नामांकन का दरवाजा खुल चुका है। दो जिलों में फैले कैसरगंज संसदीय सीट हमेशा से ही सियासत की केंद्र में रही है। हिंदुत्व को धार देने के लिए चर्चित क्षेत्र सपा व कांग्रेस का गढ़ भी रहा है। बीते दो संसदीय चुनावों से भाजपा का ही कब्जा है। अभी तक कद गढ़ने और दलों का गढ़ होने से चर्चा में रहने वाला कैसरगंज अब सियासती दांवपेच से चर्चित है। यहां की नुमाइंदगी कर रहे सियासत के राजा आरोपों से घिरे तो बात दूर तक बात गई। चुनाव में ताल ठोंकने की बारी आने पर दलों ने होंठ तो सिले ही कदम तक रोक लिए। इससे संसदीय सीट के भविष्य

के सवालों की धूम मची। चुनावी समर में छाई खामोशी को तोड़ने के लिए सियासदां ने मंच सजाए और टिकट की गुत्थी से जूझे दलों के दांव में उलझे लोगों को उबारने की कोशिशों को आगे बढ़ाया। इससे कयासबाजी और तेज हो गई है। आम लोगों को सवालों का जवाब नहीं मिल पा रहा है कि मैदान में उतरने के दावे की तरह ही टिकट का दावा क्यों नहीं है। उसमें अगर, मगर, किंतु, परंतु जैसे संशय वाले शब्दों के शामिल होने से जन्मे सवाल खड़े हैं। मौजूदा गतिविधियों को सियासी सन्नाटे को चीरने के साथ ही पैठ, पहुंच और पकड़ मजबूत बनाने के सिलसिले से जोड़कर देखा जा रहा है।

राजनीतिक माहौल ऐसा कि हर काई भौचक्का

देवीपाटन मंडल की सियासत में चमक और धमक के साथ ही टिकट की गारंटी वाले का ही टिकट अटका हुआ है। पंचायत की सियासत हो या फिर विधानसभा और अन्य चुनाव में जिनसे चमत्कार की उम्मीदें बड़े बड़ों की रहती है, उनकी दशा से एक नई सियासी दिशा जन्म लेती दिख रही है। असल में जिनकी छांव में राजनीति का ककहरा पढ़कर रुतबा हासिल किया, उन्हीं के साथ से कतराए और फिर मंच पर आए...। ऐसे माहौल से सियासी मैदान रोमांच से खिलखिला रहा है। मंडल ही नहीं, प्रदेश में ऐसा रोमांचक माहौल शायद ही किसी क्षेत्र में हो। यह देखकर हर कोई भौचक्का है।

अन्य दलों में बेचैनी, हाईकमान मौन

कैसरगंज में भाजपा चाहे जो कर रही हो, उसकी टीम गांवों में मुस्तैद है। सियासी मैदान सजाए है और सिर्फ सेनापति का इंतजार है। लेकिन सपा व बसपा में अजीब सी बेचैनी है। बीते दिनों एक पूर्व विधायक पार्टी के जिलाध्यक्ष के साथ सपा हाईकमान से मिले। टिकट तय करने की गुजारिश की। भाजपा की तैयारियों की तस्वीर पेश कर देरी से पार्टी के नफा–नुकसान की ओर इशारा भी किया। बकौल सपा जिलाध्यक्ष अरशद हुसैन अभी इंतजार करने की नसीहत के साथ ही क्षेत्र में कवायद की हिदायत मिली है। उनका कहना है कि जल्द ही पार्टी टिकट तय करेगी। यह भी माना कि देर तो हो ही रही है। इसकी जानकारी भी राष्ट्रीय अध्यक्ष को देने का दावा किया।

पिछली बार सपा नहल्ल थी मैदान में, बसपा ने मचाया था शोर

कैसरगंज संसदीय सीट पर 2019 के चुनाव में सपा मैदान में नहीं थी। गठबंधन में बसपा के खाते में सीट थी और आजमगढ़ के चंद्रदेव राम यादव मैदान में थे। उस समय भाजपा के बृजभूषण शरण सिंह ने जीत हासिल की थी। सपा ने चुनाव ही नहीं लड़ा था तो इस बार उसे नए सिरे से मैदान सजाना होगा। इसकी चिंता भी पार्टी नेताओं को सता रही है। गोंडा व बहराइच जिले की पांच विधानसभाओं तक पैठ बनाने के लिए वक्त की जरूरत भी है। इसके बाद भी पार्टी हाईकामन निश्चिंत है। इसी तरह बसपा की ओर से अभी कोई निर्णय ही नहीं लिया गया है। देवीपाटन मंडल की किसी सीट पर उसने प्रत्याशी नहीं उतारा है।

'खेल', परचा खारिज

अब ज्योत्सना हो सकती हैं उम्मीदवार

बरेली। उत्तर प्रदेश की शाहजहांपुर लोकसभा सीट से सपा प्रत्याशी राजेश कश्यप का नामांकन पत्र खारिज हो गया है। शुक्रवार को नामांकन पत्रों की जांच के दौरान कलक्ट्रेट पहुंचे सपा प्रत्याशी ने खुद इसकी पुष्टि की है। उन्होंने सपा के एमएलसी राजपाल कश्यप पर खेल करने का आरोप लगाया। अब ज्योत्सना गौड़ सपा प्रत्याशी हो सकती हैं। इन्होंने भी सपा से नामांकन कराया था। ज्योत्सना राजपाल कश्यप की भांजी हैं।

शाहजहांपुर लोकसभा चुनाव के लिए 21 प्रत्याशियों ने परचा दाखिल किया था। शुक्रवार को नामांकन पत्रों की जांच हो रही है। इस बीच सपा प्रत्याशी राजेश कश्यप कलक्ट्रेट पहुंचे। कलक्ट्रेट से बाहर निकलने पर सपा प्रत्याशी ने बताया कि राजपाल कश्यप ने उनके साथ खेल करके अपनी भांजी ज्योत्सना गौड़ को सपा से प्रथम प्रत्याशी करा दिया। जबकि उनका परचा खारिज कर दिया गया है।

हरदोई की रहने वाली हैं ज्योत्सना

सपा के एमएलसी राजपाल कश्यप समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष हैं। उनकी भांजी ज्योत्सना गौड़ हरदोई के मझरेता की रहने वाली हैं। उन्होंने सपा से अपना नामांकन कराया था। फिलहाल अभी नामांकन पत्रों की जांच चल रही है। बता दें कि शाहजहांपुर लोकसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। अगर ज्योत्सना गौड़ का परचा वैध पाया जाता है तो वह सपा की प्रत्याशी हो सकती हैं।

21 उम्मीदवारों ने कराया है नामांकन

शाहजहांपुर में नामांकन के अंतिम दिन तक लोकसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों ने कुल 21 नामांकन कराए। इसमें भाजपा से एक, समाजवादी पार्टी से दो, बसपा से एक, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी से एक, सीपीआई से एक, राष्ट्रीय सनातन पार्टी से एक, संयुक्त विकास पार्टी एक, राष्ट्रीय क्रांति पार्टी से एक, भारतीय भाईचारा पार्टी से एक, नेताजी सुभाष चंद्र बोस राष्ट्रीय आजाद पार्टी से एक, मानव क्रांति पार्टी से एक, भारतीय मजदूर जनता पार्टी से एक, आजाद अधिकार पार्टी से एक और सात निर्दलीय उम्मीदवारों ने नामांकन कराए थे।

लाखों का चोरी का पर्दाफाशः दो महिलाओं समेत पांच गिरफ्तार

मऊ। पीड़ित की तहरीर के बाद पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी थी। जहां एएसपी महेश सिंह अत्री और सीओ अभय सिंह खुद सीसीटीवी कैमरे के साथ अन्य बिंदुओं पर जांच कर रहे थे।सीओ ने बताया कि इस गिरोह द्वारा चोरी की अन्य घटनाओं को भी अंजाम दिया गया है। एसओजी/ स्वाट सर्विलांस टीम और मधुबन पुलिस की संयुक्त टीम ने शुक्रवार की सुबह सिकडीकोल से अंतरजनपदीय चोरों की एक गिरोह को पकड़ा, इनमें दो महिलाएं भी शमिल हैं। पुलिस ने इनके पास से तीन तमंचा, चोरी के आभूषण बरामद किया। इन चोरों द्वारा बीते सात अप्रैल को मधुबन बाजार से एक सर्राफा व्यापारी को उलझाकर दुकान से चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। जिसके बाद पीड़ित दुकानदार की तहरीर के बाद पुलिस जांच में जुटी थी।

पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया। सीओ मधुबन अभय सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि अंतरजनपदीय चोरों का गिरोह किसी घटना को अंजाम देने की उद्देश्य से मधुबन थाना क्षेत्र के सिकड़ीकोल मोड़ के पास है। सूचना मिलने पर एसओजी/ स्वाट सर्विलांस टीम और मधुबन पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर आजमगढ़ जिले के किशुनपुर निवासी अभिषेक सिंह उर्फ आकाश सिंह, ऋषभ सिंह उर्फ शेरू, कृष्णा सिंह उर्फ पंकज सिंह और अन्तिमा सिंह और रौना को पकड़ा। पुलिस ने इनके पास से तीन तमंचा, छह कारतूस, पीली धातु के 3 बड़ा लाकेट, 10 छोटा लाकेट, कान की बाली 12 जोड़ी, 3 नग, 8 अंगूठी, 10 नाक की कील, 14 गुरिया, 01 कान का टप्सा बरामद किया। साथ ही कूटरचित नंबर प्लेट के साथ पल्सर बाइक, तीन मोबाइल फोन बरामद किया।

सम्पादकीय

मतदान के दूसरे चरण में किसे बढ़त

पहले चरण में संयुक्त प्रतिपक्ष इंडिया द्वारा बढ़त लेते हुए दिखने के बाद अब इस बात की उत्सुकता बढ़ गई है कि 18वीं लोकसभा के लिये शुक्रवार को होने जा रहे मतदान के दूसरे चरण में कौन आगे निकल जायेगा

पहले चरण में संयुक्त प्रतिपक्ष इंडिया द्वारा बढ़त लेते हुए दिखने के बाद अब इस बात की उत्सुकता बढ़ गई है कि 18वीं लोकसभा के लिये शुक्रवार को होने जा रहे मतदान के दूसरे चरण में कौन आगे निकल जायेगा। यह भी सवाल है कि भारतीय जनता पार्टी एवं उसके गठबन्धन यानी नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) को नुकसान भरपाई करने का मौका मिलेगा या इंडिया इसके बाद ऐसी बढ़त बना लेगा कि भाजपा–एनडीए को उसकी बराबरी कर पाना मुश्किल हो जायेगा? राजनीतिक पर्यवेक्षकों तथा विश्लेषकों का मानना है कि अगर इंडिया ने इस राउंड में एनडीए को पहले जैसी टक्कर दी तो भाजपा का 370 व 400 सीटों के पार जाने का नारा तो हवा में उड़ ही जायेगा, उसे बहुमत (272 का आंकड़ा) के भी लाले पड़ जायेंगे। अनुमान कुछ ऐसे ही बतलाये जा रहे हैं।

एक सप्ताह पहले यानी 19 नवम्बर को 21 राज्यों की 102 सीटों के लिये मतदान हुआ था। अब 13 राज्यों की 88 सीटों के लिये मतदान होने जा रहा है। इस चक्र का महत्व सिर्फ इस लिहाज से नहीं है कि इसमें राहुल गांधी (वायनाड–केरल), अरूण गोविल (मेरठ–उत्तर प्रदेश), शशि थरूर (तिरुअनंतपुरम–केरल), कर्नाटक के पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी (कर्नाटक–मांड्या) आदि की प्रतिष्ठा दांव पर है या इस राउंड में 16 फीसदी सीटों के लिये लोग मतदान करेंगे, बल्कि वह इसलिये है कि अब लगभग सभी एक स्वर में कह रहे हैं कि इसमें भी इंडिया को बढ़त मिलने की पूरी सम्भावना है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तो झारखंड की राजधानी रांची में इंडिया की हुई विशाल रैली में दावा किया था कि पहले चरण में विपक्षी गठबन्धन को 80 से 90 सीटें मिल रही हैं। यह सभा वहां के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार कर जेल में डाले जाने के खिलाफ 21 अप्रैल को आयोजित की गई थी। वैसे लोग यह दावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपनी प्रचार सभाओं में इस्तेमाल की जा रही भाषा से भी कर रहे हैं जिसके स्तर में अभूतपूर्व गिरावट दर्ज हुई है।

प्रथम चरण के मतदान के बाद ही मोदी ने अनेक ऐसी बातें कही हैं जिनसे न सिर्फ उनके पद की गरिमा और भी गिरी है वरन वह समाज के लिये ही खतरनाक साबित हो सकती है। उन्होंने राजस्थान के बांसवाड़ा में प्रचार रैली को सम्बोधित करते हुए 18 वर्ष पहले दिये तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के उस बयान को तोड़–मरोड़कर उद्धृत किया जिसमें उन्होंने कहा था कि 'देश के संसाधनों पर पहला अधिकार भारत के वंचितों, आदिवासियों, पिछड़ों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों आदि का है।' इस बयान को बड़े ही घृणित तरीके से प्रस्तुत करते हुए मोदी ने कहा कि 'अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो मंगलसूत्र छीनकर अधिक बच्चे वालों के बीच बांट दिये जायेंगे।' उनका इशारा मुस्लिमों की तरफ था। अगले दिन इसी नैरेटिव को आगे बढ़ाते हुए मोदी ने उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में यह कह दिया कि 'कांग्रेस की नज़र आपकी सम्पत्ति पर है।' बुधवार को छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में भी उन्होंने इसी आशय का भाषण दिया– बावजूद इसके कि उनके खिलाफ़ कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से शिकायत की है।

एनडीए के सहयोगी अकाली दल ने भी इस पर आपत्ति जताई है। वैसे तो इस मामले पर उन्हें माकूल जवाब कांग्रेस के कई लोगों की ओर से मिल गया, साथ ही मनमोहन सिंह का असली बयान क्या है, यह भी सामने आ गया है। लोग जान गये हैं कि डॉ. सिंह ने 'मुस्लिम' शब्द का इस्तेमाल ही नहीं किया था। वैसे तो कांग्रेस का न्याय पत्र (घोषणापत्र) जब जारी हुआ था, उसके दूसरे दिन ही मोदी ने इस पर 'मुस्लिम लीग की छाप' बतलाई थी। हालांकि यह कोई समझ नहीं पाया कि इसमें ऐसा क्या है जिससे मुस्लिम लीग का असर दिखे।

ऐसे ही, कांग्रेस को बदनाम करने के उद्देश्य से उन्होंने देश में संचार क्रांति लाने वाले सैम पित्रोदा के उस बयान को भी तोड़–मरोड़कर पेश किया जिसमें पित्रोदा ने विरासत टैक्स पर बात की थी। इसका सन्दर्भ व अवसर एकदम अलग था लेकिन मोदी उसका भी कांग्रेस के खिलाफ इस्तेमाल करने से नहीं चूके। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस विरासत टैक्स के नाम से जनता की सम्पत्ति लूट लेगी। स्वयं पित्रोदा ने इसका खंडन किया व अपने बयान को सही रूप में व्याख्यायित कर मोदी के छल को बेनकाब किया है। कांग्रेस ने इसकी भी शिकायत की है। मोदी के लिये वैसे इससे बड़ा संकट कोई हो नहीं सकता क्योंकि उनके सारे दांव उल्टे पड़ रहे हैं और कांग्रेस व विपक्ष उनकी गलतबयानी व असत्य का लगातार पर्दाफाश कर रहा है। इसका असर न सिर्फ मोदी बल्कि सभी भाजपा नेताओं की सभाओं में लोगों की घटती संख्या के रूप में दिख रहा है। दूसरी तरफ कांग्रेस नेताओं एवं इंडिया गठबन्धन की सभाओं में खचाखच भीड़ है।

मोदी व भाजपा की दिक्कतों को इस मायनों में दोहरा होता हुआ कहा जा सकता है कि एक ओर तो कांग्रेस का न्याय पत्र जनता में लगातार लोकप्रिय हो रहा है, तो वहीं इंडिया गठबन्धन टूट तो नहीं ही रहा है, सतत मजबूत हो रहा है। बेशक कहीं–कहीं उसके सामने सीटों के बंटवारे को लेकर अवरोध आ रहे हैं तथा कई कांग्रेसी नेताओं ने ऐसे कठिन दौर में पार्टी भी छोड़ी है लेकिन उसका भाजपा या एनडीए को फायदा होता नहीं दिख रहा है। हां, इंडिया–कांग्रेस का कारवां जारी है! इन सभी तथ्यों को ही मोदी की बौखलाहट का कारण माना जा रहा है; और इंडिया की बढ़त का आधार भी।

लोगों की जान से खिलवाड़

भ्रामक विज्ञापन मामले में पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने बुधवार 24 अप्रैल को अखबारों में एक बार फिर विज्ञापन देकर अपना माफीनामा छपवाया है

भ्रामक विज्ञापन मामले में पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने बुधवार 24 अप्रैल को अखबारों में एक बार फिर विज्ञापन देकर अपना माफीनामा छपवाया है। इस माफीनामे में आचार्य बालकृष्ण और स्वामी रामदेव ने माफी मांगते हुए कहा है कि, भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण के संदर्भ में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों/आदेशों का पालन न करने अथवा अवज्ञा के लिए हम वैयक्तिक रूप से, साथ ही कंपनी की ओर से बिना शर्त क्षमायाची हैं। हम विगत 22.11.2023 को बैठक/संवाददाता सम्मेलन आयोजित करने के लिए भी

क्षमाप्रार्थी हैं। हम अपने विज्ञापनों के प्रकाशन में हुई गलती के लिए भी ईमानदारी से क्षमा चाहते हैं और पूरे मन से प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं कि ऐसी त्रुटियों की पुनरावृति नहीं होगी।

पतंजलि आयुर्वेद लि. की ओर से ऐसा ही माफीनामे का विज्ञापन पहले भी देश के 67 अखबारों में प्रकाशित हुआ था, ऐसी जानकारी पतंजलि की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने अदालत में दी थी। लेकिन जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानतुल्लाह की खंडपीठ ने विज्ञापन के आकार पर असंतोष जताया था। क्योंकि स्वामी रामदेव की तरफ से जब अपनी दवाओं का प्रचार किया जाता रहा, तो विज्ञापनों का आकार काफी बड़ा होता था। लेकिन जब यह साबित हो गया कि ये विज्ञापन गलत जानकारी दे रहे थे और उपभोक्ताओं को गुमराह कर रहे थे, तो उस गलती के लिए माफी मांगने में कहीं न कहीं कृपणता दिखाई गई, जिस ओर अदालत ने ध्यान दिलाया। जिसके बाद स्वामी रामदेव ने अपनी कंपनी की ओर से थोड़े बड़े आकार के विज्ञापन में माफी मांगी, हालांकि आयुर्वेदिक दवाओं के विज्ञापन में जिस तरह उनकी बड़ी सी तस्वीर दिखाई देती रही है, वह इस माफीनामे में गायब है। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले मंगलवार को भ्रामक विज्ञापन प्रसारित और प्रकाशित करने के लिए रामदेव के साथ–साथ केंद्र सरकार को भी कटघरे में खड़ा किया है। अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स नियम 1945 को लागू करने में विफलता पर केंद्र सरकार से सवाल किया है। दरअसल आयुष मंत्रालय ने 2023 में सभी राज्य सरकारों को एक पत्र भेजकर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 के नियम 170 के तहत कोई कार्रवाई नहीं करने को कहा था। इसी पर अदालत ने अब कड़े सवाल पूछे हैं, जिसका जवाब अब केंद्र सरकार की ओर से आना बाकी है। वहीं अब मामले पर अगली सुनवाई 30 अप्रैल को होगी, लेकिन अब तक सुप्रीम कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों को लेकर जो सख्ती दिखाई है, उससे यह उम्मीद बंधी है कि जनता की सेहत के साथ खिलवाड़ करने के इस खुले खेल पर थोड़ी रोक लगेगी। क्योंकि इस मैदान में रामदेव जैसे और बहुत से खिलाड़ी अब भी बाकी हैं। यह विडंबना ही है कि सरकार की नाक के नीचे जनता की जान को जोखिम में डाला गया, कभी आयुर्वेद के नाम पर, कभी दवाओं के नाम पर कभी मसालों के नाम पर। स्वामी रामदेव का मामला अभी अदालत में चल ही रहा है कि इस बीच एक चौंकाने वाली खबर आई है हॉगकॉग से, जहां के खाद्य नियामक प्राधिकरण सेंटर फॉर फूड सेफ्टी ने कहा कि एमडीएच के तीन मसाले– मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला और करी पाउडर मिश्रित मसाला पाउडर और इनके साथ एवरेस्ट के फिश करी मसाला में 'कीटनाशक, एथिलीन ऑक्साइड' है। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर ने एथिलीन ऑक्साइड को 'समूह 1 कार्सिनोजेन' के रूप में क्लासीफाई किया है। इसका मतलब भारत की दो शीर्ष मसाला बनाने कंपनियां एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों में कैंसर पैदा करने वाले तत्व शामिल हैं, ऐसी चेतावनी हॉगकॉग ने दी है।

सिंगापुर में भी इन उत्पादों पर प्रतिबंध लग चुका है। यह खबर भारत के लिए शर्मनाक और चिंताजनक है। क्योंकि इस खबर में भारत की उन दो कंपनियों का नाम शामिल है, जिनके मसाले तकरीबन हर घर में रोजाना इस्तेमाल होते हैं और इसके अलावा सौ से ज्यादा देशों में इन कंपनियों के मसाले बिकते हैं। ब्रांड शब्द के साथ उपभोक्ताओं का भरोसा जुड़ा होता है, इसलिए जब सवाल सेहत और स्वाद दोनों का हो, तो खुले में बिकने वाली खाद्य सामग्री या मसालों को न लेकर, कुछ ज्यादा कीमत चुकाकर उपभोक्ता जाने–माने ब्रांड्स के उत्पाद खरीदता है। अगर इसमें भी मिलावट या हानिकारक तत्व निकलें तो फिर किस पर भरोसा किया जाए।एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों पर विदेशों में लगे प्रतिबंध के बाद अब भारतीय मसाला बोर्ड ने कहा है कि वह इस प्रतिबंध की जांच कर रहा है, वहीं फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने जांच के मकसद से देश भर से एमडीएच और एवरेस्ट सहित पाउडर के रूप में सभी ब्रांडों के मसालों के नमूने लेना भी शुरू कर दिया है। लेकिन इस कवायद का क्या नतीजा निकलेगा, इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। क्योंकि सवाल एक–दो पैकेट का नहीं, कई टन मसालों का है। यह विचारणीय है कि हॉगकॉग के खाद्य सुरक्षा नियामक के परीक्षण में मसालों में जो गड़बड़ी पकड़ाई, वह भारत में क्यों नहीं पकड़ी जा सकी। क्या भारत और विदेशों में भेजे जाने मसालों में फर्क होता है या हमारी जांच प्रक्रिया और हॉगकॉग, सिंगापुर की जांच प्रक्रिया में कोई फर्क है। एक अहम सवाल यह भी है कि क्या इस गड़बड़ी के पीछे कोई कारोबारी प्रतिद्वंद्विता या साजिश का कोण भी शामिल है। क्योंकि कई बार कारोबार में आगे निकलने के लिए दूसरी कंपनी के उन्हीं उत्पादों में गड़बड़ी दिखाई जाती है। करीब 12 साल पहले भारत में मैगी नूडल्स में मिलावट की खबरें एकाएक आई थीं, जिससे उसके कारोबार पर काफी फर्क पड़ा था। हाल ही में खबर आई थी कि नेस्ले कंपनी जो बेबी फूड यानी शिशुओं के खाद्य सामग्री बेचती है, उसमें चीनी मिली होती है। सरकार अब इसकी जांच कर रही है, क्योंकि बेबी फूड में चीनी से शिशुओं की सेहत पर असर पड़ता है।

खाद्य सामग्री में मिलावट की बात हो या दवाओं के नाम पर जनता को गुमराह करने का मुद्दा हो, इन खबरों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। जैसे जहरीली शराब या नकली दवाओं से सीधे जान पर खतरा दिखता है, यह भी वैसा ही है, फर्क इतना ही है कि इसमें नुकसान का पता देर से चलता है। सरकार और अदालतें तो इस मामले में सख्ती दिखा ही रही हैं, लेकिन अब जनता को भी जागरुक होना पड़ेगा।

आईटफिशियल इंटेलिजेंस 2024 में चुनाव प्रचार का एक प्रमुख उपकरण

एआई के बारे में वैध चिंताएं हैं, लेकिन सकारात्मक बदलाव के लिए इसकी क्षमता को पहचानना महत्वपूर्ण है। कुछ एआई–जनित प्रौद्योगिकियों में हमारे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाने की शक्ति है। जैसे–जैसे इन तकनीकों को व्यापक स्वीकृति मिलती है, वे ई–चुनावों का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं, एक ऐसा भविष्य जहां चुनाव ऑनलाइन आयोजित किये जायेंगे।2024 के लोकसभा चुनावों में गेम–चेंजरआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने पारंपरिक अभियान रणनीतियों में क्रांति ला दी है। पांच साल के अंतराल के बाद उम्मीदवारों द्वारा व्यक्तिगत रूप से मतदाताओं के घरों का दौरा करने और चाय पर बातचीत करने के युग का अन्त हो रहा है तथा तकनीकी रूप से अधिक उन्नत चुनाव अभियान का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

2014 के चुनाव में सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, एआई के आगमन और भारत के 2024 के चुनावों में डीपफेक वीडियो के संभावित दुरूपयोग ने एक नया आयाम प्रदान किया है। सच और झूठ के बीच की रेखाओं को धुंधला करने में सक्षम ये वीडियो चुनावी प्रक्रिया के विश्वास और अखंडता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को एआई की ताकत समझ में आ गई है। वे मतदाता डेटा का विश्लेषण करने के लिए एआई का उपयोग करते हैं, जिससे उन्हें प्रभावी अभियान रणनीति विकसित करने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया पर मतदाताओं से जुड़ने के लिए एआई–संचालित चैटबॉट और आभासी सहायकों को तैनात किया गया है, जो उनके प्रश्नों और चिंताओं का वास्तविक समय पर जवाब प्रदान करते हैं।

एआई तकनीक का उपयोग चुनाव प्रक्रियाओं में कई तरह से मदद कर सकता हैः एआई चुनाव परिणामों की भविष्यवाणी कर सकता है, एआई चैटबॉट और वर्चुअल असिस्टेंट वर्चुअल मीडिया के साथ संवाद कर सकते हैं, और एआई चुनाव धोखाधड़ी को रोक सकता है और राजनीतिक विज्ञापन अभियान में वित्त सम्बंधी नियमों के उल्लंघन को नियंत्रित कर सकता है।

राजनीतिक दल अब व्यक्तिगत मतदाताओं के लिए अपनी कॉल को अनुकूलित कर सकते हैं, जिससे संभावित रूप से उनके विरोधियों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है। भारत में 50 फीसदी से अधिक आबादी इंटरनेट का उपयोग करती है, जो 2025 तक बढ़कर 900 मिलियन हो सकती है। भारत में आगामी चुनाव से 500 करोड़ रुपये का बाजार उत्पन्न होने की उम्मीद है। राजनीतिक दल सोशल मीडिया के माध्यम से मतदाताओं तक पहुंचने के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा ने पिछले साल के राज्य चुनावों में एआई का इस्तेमाल किया, तथा पहली बार राजनीतिक प्रचार में झूठे वीडियो और पैरोडी का इस्तेमाल किया गया। भाजपा, कांग्रेस, आप, डीएमके और एआईएडीएमके जैसी पार्टियां अपने समर्थकों से जुड़ने के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल करती हैं।

उदाहरण के लिए, भाजपा पीएम मोदी के भाषणों का आठ क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने के लिए एआई का उपयोग करती है। हालांकि, कुछ प्रचारक गलत सूचना फैलाने के लिए डीपफेक सहित एआई–जनित वीडियो का दुरुपयोग करते हैं। ये वीडियो18–25 आयु वर्ग को लक्षित हैं और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर साझा किये जा रहे हैं।

भारत में राजनीतिक पार्टियां मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए विभिन्न उपकरणों का उपयोग करती हैं। वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हैं। उदाहरण के लिए, कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक मॉर्फ्ड तस्वीर साझा की। वहीं दूसरी ओर भाजपा ने इंस्टाग्राम पर राहुल गांधी का झूठा वीडियो पोस्ट किया। तमिलनाडु में डीएमके और एआईएडीएमके पार्टियों ने इस चुनाव में मतदाता समर्थन के लिए अपने मृत नेताओं की रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल किया। एक वीडियो में एआईएमआईएम पार्टी के नेता असदुद्दीन ओवैसी को हिंदू भक्ति गीत गाते हुए दिखाया गया है। अखिलेश यादव, नवीन पटनायक और ममता बनर्जी जैसे क्षेत्रीय नेताओं ने भी मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए इसी तरह के उपकरण लागू किये।

दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई का उपयोग एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। उन्नत एआई के साथ, मतदाताओं या उम्मीदवारों सहित किसी का भी प्रतिरूपण करना संभव हो गया है, जिससे पहचान की चोरी हो सकती है और चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर हो सकता है। यह निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट नियमों की आवश्यकता को रेखांकित करता है, जिससे दर्शकों को संभावित जोखिमों और उन्हें संबोधित करने के महत्व के बारे में अधिक जानकारी मिलती है, जिससे सतर्कता की भावना पैदा होती है।

राजनीतिक अभियानों में एआई का उपयोग गोपनीयता और अनुचित प्रतिस्पर्धा और गलत सूचना की संभावना के बारे में वैध चिंताएं पैदा करता है। सरकारों को निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए एआई के उपयोग को विनियमित करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। आईटी मंत्री ने पहले ही सोशल मीडिया कंपनियों को चेतावनी जारी कर दी है, जिससे दर्शकों में चुनावी प्रक्रिया की सुरक्षा और अखंडता के बारे में विश्वास पैदा हुआ है।

चुनाव आयोग को 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए एआई–जनित जानकारी को विनियमित करने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने चाहिए। इन दिशानिर्देशों को अभियानों और मतदाता डेटा विश्लेषण में नैतिक एआई उपयोग पर ध्यान देना चाहिए। चुनावी प्रक्रिया की अखंडता बनाये रखने, मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करने और निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम आवश्यक हैं। इन विनियमों के बिना, चुनाव परिणामों की वैधता पर संदेह हो सकता है।

हालांकि एआई के बारे में वैध चिंताएं हैं, लेकिन सकारात्मक बदलाव के लिए इसकी क्षमता को पहचानना महत्वपूर्ण है। कुछ एआई–जनित प्रौद्योगिकियों में हमारे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाने की शक्ति है। जैसे–जैसे इन तकनीकों को व्यापक स्वीकृति मिलती है, वे ई–चुनावों का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं, एक ऐसा भविष्य जहां चुनाव ऑनलाइन आयोजित किये जायेंगे, जिससे अधिक पारदर्शी और जवाबदेह चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित होगी। सकारात्मक बदलाव की यह संभावना आशावाद और आशा को प्रेरित करेगी और दर्शकों को चुनावों के भविष्य के बारे में आश्वस्त करेगी।

बिहार चुनाव के दौरान, चुनाव आयोग ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने और हेरफेर को रोकने के लिए एआई–संचालित प्रणाली का उपयोग किया। सिस्टम का पता चला और गलत सूचना और घृणास्पद भाषण के मामलों को चिह्नित किया, मतगणना प्रक्रिया में तेजी लाई और चुनाव के दौरान घृणास्पद भाषण पर अंकुश लगाया। यह दर्शाता है कि एआई का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जा सकता है और मतदाताओं में विश्वास पैदा किया जा सकता है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या विधिनिर्माता मुख्य रूप से अपने एआई अभियान की सफलता या विफलता के आधार पर जीत या हार सकते हैं। भोले–भाले मतदाताओं को आसानी से मूर्ख बनाया जा सकता है। तकनीकी प्रगति महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकती है, और एआई कोई अपवाद नहीं है।

शिवपाल यादव देशहित में भाजपा का साथ दें : योगी

लखनऊ/इटावा [redacted] मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा एवं पार्टी महासचिव शिवपाल सिंह यादव को खुला ऑफर देते हुए कहा कि शिवपाल को देश हित में भाजपा का सहयोग करना चाहिये।

■ अखिलेश हार के डर से आजमगढ़ से लड़ने की हिम्मत नहीं दिखा सके

मैनपुरी संसदीय सीट से भाजपा उम्मीदवार जयवीर सिंह के समर्थन में जसवंतनगर स्थित रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुये योगी ने वृहस्पतिवार को कहा कि चाचा शिवपाल देश हित में भाजपा का सहयोग करें ताकि देश तरक्की कर सके। उन्होने कहा कि मुझे तो चाचा शिवपाल पर तरस आता है। वह तो ऐसे हैं जैसे सत्य नारायण की कथा में जजमान एक होता है जो कथा सुनता है। बाद में अन्य लोगों को चूरन वितरित कर दिया जाता है तो यह केवल चूरन खाने वाले व्यक्ति रह गए हैं। कभी यह मुलायम सिंह यादव के मुख्य सिपहसलार हुआ करते थे और पूरे प्रदेश में उनकी तूती बोलती थी। वहीं आज इनकी क्या हालत हो गई है, अगर कोई कार्यक्रम होता है तो उनको बैठने के लिए सोफा नहीं मिलता है, सिर्फ हत्था मिलता है और यह चूरन खाने के आदी हो गए हैं इसलिए मैं आप सबसे कहना चाहता हूं, यह वीर भूमि है चूरन मत खाइए, भाजपा की सत्ता में भागीदार बनकर विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने का कार्य करिए।

योगी ने कहा कि सपा ने परिवार के पांच उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। मगर एक भी सीट समाजवादी परिवार का सदस्य जीतने नहीं जा रहा है। योगी ने सपा पर खुला आरोप लगाया कि एक भी ऐसा यदुवंशी उम्मीदवार नहीं मिला कि जो समाजवादी परिवार के अलावा चुनाव मैदान में उतारा जाता है। सपा प्रमुख अखिलेश पर आरोप लगाते हुए योगी ने कहा कि वह डर के कारण आजमगढ़ सीट से चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं दिखा सके।

मुख्यमंत्री की भाषा शर्मनाक

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वयान पर पलटवार करते हुए कहा है, 'यूपी के मुख्यमंत्री की भाषा शर्मनाक है। ये योगी नहीं हैं। भगवा चोला पहन लेने मात्र से कोई संत नहीं बन जाता।'

प्रसाद को चूरन कहना आस्था का अपमान

लखनऊ। सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि 'ज्ञानी मुख्यमंत्री महोदय, भगवान सत्यनारायण की कथा के पश्चात चूरन नहीं, प्रसाद वितरित होता है। पवित्र प्रसाद को चूरन कहना करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का अपमान है। वरिष्ठ सपा नेता ने कहा कि जहां तक चूरन खाने वाले व्यक्ति का सवाल है, आपको पता होना चाहिए कि इस चूरन खाने वाले ने बहुतों का हाजमा दुरुस्त किया है।'

बसपा ने सपा को फिर पछाड़ने की जुगत लगा

साइकिल की हवा निकालने के लिए नई रणनीति से घेराबंदी

,लखनऊ। बसपा ने सपा को पछाड़कर लोकसभा चुनाव में खुद को दूसरी सबसे ज्यादा सांसदों वाली पार्टी बनाने के लिए अपनी रणनीति में कई अहम बदलाव किए हैं। पार्टी ने सपा की जीती हुई सीटों पर ऐसे प्रत्याशी उतारे हैं, जो सपा को नुकसान पहुंचाने का दमखम रखते हैं।

बता दें कि बसपा ने पिछला लोकसभा चुनाव सपा के साथ मिलकर लड़ा था, जिसमें बसपा को 10 जबकि सपा को 5 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। सपा की जीती हुई पांच सीटों में से आजमगढ़ में भाजपा ने उपचुनाव में बाजी मार ली थी। जबकि रामपुर के सांसद आजम खां की सदस्यता समाप्त होने के बाद भाजपा के घनश्याम लोधी जीते थे।

इस बार भी सपा को इन पांच सीटों पर जीत की उम्मीद है, लेकिन बसपा ने उसके प्रत्याशियों के सामने मुश्किल खड़ी कर दी है। बसपा ने मैनपुरी में सपा सांसद डिंपल यादव के खिलाफ शिव प्रसाद यादव को टिकट दिया है। इसी तरह रामपुर में सपा प्रत्याशी इमाम मोहिब्बुल्लाह का मुकाबला करने के लिए जीशान खान को टिकट दिया है। मुरादाबाद में सपा ने सांसद एचटी हसन की जगह रुचि वीरा को टिकट दिया है, जबकि बसपा ने मोहम्मद इरफान सैनी को मैदान में उतारकर सपा के पाले में जाने वाले मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी की व्यूहरचना बनाई है। संभल से भी सपा के जियाउर्रहमान के सामने बसपा ने शौलत अली को टिकट दिया है, जिससे मुस्लिम वोट बैंक बिखर सकता है।

आजमगढ़ में बदली रणनीति

बसपा ने पहले आजमगढ़ में अपने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को टिकट दिया था, लेकिन अब उन्हें सलेमपुर से चुनाव लड़वाने का फैसला लिया है। अब बसपा आजमगढ़ में ऐसे किसी कद्दावर नेता को टिकट देने की तैयारी में है, जो सपा को शिकस्त दे सके। यदि बसपा की रणनीति सफल रही तो भाजपा और सपा की लड़ाई में बसपा को फायदा मिल सकता है।

कई बड़े नेताओं ने छोड़ा साथ

लोकसभा चुनाव में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने के बाद सपा ने विधानसभा चुनाव में अपना प्रदर्शन सुधारने की कवायद तो की, लेकिन विधानसभा चुनाव में उसके साथ आए कई प्रमुख नेताओं ने दूरी बना ली है। इसका असर लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिल सकता है। रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी, सुभासपा अध्यक्ष ओपी राजभर, विधायक दारा सिंह चौहान, धर्म सिंह सैनी, स्वामी प्रसाद मौर्या, पल्लवी पटेल व केके गौतम जैसे तमाम बड़े नेता अब सपा के साथ नहीं हैं। इंडिया गठबंधन में भी जगह नहीं मिलने पर स्वामी प्रसाद मौर्या नाराजगी भी जता चुके हैं।

बसपा इस बार अधिक सीटें जीतेगी

बसपा लोकसभा चुनाव में पिछली बार के मुकाबले अधिक सीटें जीतेगी। समाजवादी पार्टी इस चुनाव में कमजोर स्थिति में है। तमाम बड़े दलों और नेताओं ने उसका साथ छोड़ दिया है। कांग्रेस का तो यूपी में कैडर ही नहीं बचा है। –विश्वनाथ पाल, बसपा प्रदेश अध्यक्ष

पाटी ने सपा की जीती हुई सीटों पर ऐसे प्रत्याशी उतारे हैं, जो सपा को नुकसान पहुंचाने का दमखम रखते हैं।

गोरखपुर जिले में बिना प्रदूषण विभाग की एनओसी लिए चल रहे 250 उद्योग

गोरखपुर। आमी नदी के पानी को जहरीला बनाने से बचाने के लिए सीईटीपी (कॉमन एंफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) लगाने के लिए किए गए सर्वे में एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। पता चला है कि आमी के किनारे करीब 300 नए उद्योग धंधे लग गए हैं, लेकिन उनमें से करीब 250 ऐसे हैं, जिन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाणपत्र ही नहीं लिया है, जबकि उद्योगों के संचालन के लिए यह जरूरी है। अब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इन कंपनियों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। विभागीय लापरवाही का आलम यह है कि बिजली निगम ने भी इन कंपनियों से पीसीबी की एनओसी नहीं मांगी, जबकि बिजली कनेक्शन देने से पहले यह जमा करना होता है। गीडा क्षेत्र से होकर राप्ती नदी में मिलने वाली आमी नदी का पानी बेहद जहरीला हो गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए लड़ रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं की पहल पर इस नदी में गीडा क्षेत्र के अड़िलापार में चार एमएलडी का सीईटीपी लगाया जाना है। शासन स्तर से इसकी मंजूरी मिल चुकी है।

यह मामला लंबे समय तक राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) में भी रहा है। पिछले महीने जब सीईटीपी लगाने से पहले रिवाइज एस्टीमेट के लिए सर्वे कराया गया, तब पता लगा कि यहां तो बिना पीसीबी के एनओसी के ही करीब 250 उद्योग संचालित हो रहे हैं। सवाल उठ रहा है कि इन उद्योगों से आमी नदी में प्रदूषण बढ़ रहा है। हालांकि उद्योगों के संचालकों का दावा है कि उनके काम धंधों से प्रदूषण का कोई वास्ता नहीं है। इस मुद्दे पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 300 कंपनियों को नोटिस भेजा तो पता लगा कि 250 कंपनी बिना एनओसी के चलाई जा रही हैं। अब प्रदूषण का सच तो आगे के सर्वे से ही तय होगा, फिलहाल एनओसी का मामला गरमा रहा है।

पता गलत बताकर वापस लौटाया नोटिस

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नोटिस भेजकर जवाब का इंतजार कर रहा था। इस बीच करीब 60 उद्यमियों को भेजा गया नोटिस डाक विभाग ने पता गलत बताकर वापस कर दिया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जिम्मेदारों का कहना है कि जिन प्लाट में फैक्टरी चल रही है और उसका भौतिक सत्यापन भी किया जा चुका है, उसका नाम–पता गलत बताकर नोटिस वापस किया जाना आश्चर्यजनक है। इसलिए अब डाक विभाग के वरिष्ठ अफसरों को भी पत्र भेजकर नोटिस सभी कंपनियों के पंजीकृत पते पर पहुंचाने का अनुरोध किया जाएगा। क्योंकि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने हर नोटिस के लिफाफे पर डाक टिकट भी लगाया है।

आमी नदी को बचाने के लिए 15 साल से चल रहा है आंदोलन

सिद्धार्थनगर के सिकहरा ताल से निकली आमी नदी संतकबीरनगर और गोरखपुर जिले के एक बड़े हिस्से से होकर गुजरते हुए सोहगौरा गांव के सामने राप्ती नदी में मिल जाती है। इस नदी में खलीलाबाद से लेकर गीडा तक तमाम उद्योगों का गंदा पानी छोड़ा जाता है, जिससे नदी प्रदूषित हो चुकी है।

कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विश्व विजय सिंह ने वर्ष 2009 में आमी बचाओ मंच का गठन कर इस नदी में प्रदूषित पानी का प्रवाह रोकने के लिए चरण बद्ध आंदोलन शुरू किया। मामला एनजीटी में पहुंचा तो प्रदूषण रोकने के उपाय करने के निर्देश दिए गए। इसके बार गीडा बोर्ड की बैठक में तय हुआ कि फैक्टरियों का प्रदूषित पानी नदी में जाने से रोकने के लिए सीईटीपी लगाया जाए। इसके लिए मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय को नोडल विभाग बनाया गया। सीईटीपी लगाने के लिए जमीन भी खरीदी गई। सीईटीपी तो नहीं ही लगी, बड़ी संख्या में नए लगे उद्योगों ने अनापत्ति प्रमाण पत्र भी नहीं लिया।

क्षेत्रीय अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि गीडा में सीईटीपी लगवाने से पहले प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इलाके का भौतिक सत्यापन किया तो पता लगा कि करीब 300 नई कंपनियां लगी हैं। इनमें से लगभग 250 कंपनियां ऐसी हैं, जिन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से फैक्टरी संचालन के लिए एनओसी नहीं ली है। इसलिए सभी नई कंपनियों को नोटिस भेजकर एनओसी लेने को कहा गया है। चार श्रेणी में एनओसी दी जाती है। प्रदूषण उत्सर्जन के आधार पर कंपनियों को अलग–अलग श्रेणी में एनओसी दी जाती है। जिन फैक्टरियों को भेजा गया नोटिस पता गलत बताकर वापस किया गया है, उन्हें दुबारा नोटिस भेजा जाएगा।

लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष दीपक कारीवाल ने बताया कि गीडा क्षेत्र में संचालित तमाम ऐसी फैक्टरियों को भी नोटिस भेजा गया है, जिनके यहां प्रदूषण का उत्सर्जन नहीं होता। जैसे जहां पॉवरलूम व सिलाई मशीन का काम है, वहां किसी प्रकार का प्रदूषित पानी निकलता ही नहीं है, हम जनरेटर भी यूज नहीं करते। इसीलिए रेडिमेड गारमेंट्स समेत कई अन्य ऐसे उद्योगों को एनओसी लेना अनिवार्य नहीं होता लेकिन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सभी को नोटिस भेजकर डरा दिया है। प्रदूषण बोर्ड केवल उन्हें ही नोटिस दे, जो उसके दायरे में आते हों। सीईओ– गीडा अनुज मलिक ने बताया कि गीडा में चार एमएलडी का सीईटीपी लगाने की मंजूरी शासन स्तर से मिल चुकी है। इसके लिए जमीन भी पहले ही खरीदी जा चुकी है। उद्यमियों को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तरफ से नोटिस भेजने की कोई जानकारी नहीं है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कोई प्रतिलिपि भी नहीं भेजी है।

मतदाताओं का उत्साह

जी ये उत्सव का दिन है. आप मतदान करने के बाद सोशल मीडिया पर सेल्फी शेयर कर सकते हैं. वही इंक वाली उंगली जो प्रमाण है कि हमने अपना फर्ज पूरा किया

बारात आने से पहले वोटिंग करने पहुंची स्वाति

यूपी में खूब पड़े वोट

हीटवेव के माइनर मरीज अस्पताल पहुंचे, प्राथमिक उपचार दे की छुट्टी

लखनऊ [redacted] हीट वेव के मरीजों के उपचार को लेकर राजधानी के प्रमुख सरकारी अस्पताल अलर्ट हैं। वृहस्पतिवार की दोपहर वलरामपुर अस्पताल की इमरजेंसी पहुंचे तीन मरीजों में हीट वेव हल्के लक्षण मिले, जिन्हें प्राथमिक उपचार देकर कुछ देर वाद घर पर आराम करने की सलाह दी गयी। तीन मरीजों में एक 56 वर्ष, दूसरा 50 वर्ष और तीसरा मरीज 40 वर्ष का था, जो कि राजधानी के विभिन्न इलाकों के रहने वाले थे।

इमरजेंसी मेडिकल आफीसर डा. सर्वेश सिंह ने वताया कि अभी भर्ती करने से मरीज नहीं आए लेकिन जिस तरह से गर्मी पड़ रही है, उससे वचाव जरूरी है।

गर्मी वढ़ने के साथ लखनऊ समेत यूपी के तमाम जिलों में हीट वेव को लेकर अलर्ट जारी है। सभी सरकारी अस्पतालों में इसकी चपेट में आने वाले मरीजों के इलाज के लिए वेड रिजर्व किए गए है। सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में एक मरीज हीट वेव के लक्षणों वाला पहुंचा, उसे प्राथमिक उपचार देकर डिस्चार्ज कर दिया गया। दूसरी तरफ महानगर में महानगर स्थित वीआरडी और आशियाना में लोकवंधु अस्पताल में हीट वेव के मरीजों के लिए पर्याप्त उपचार के दावे किये जाते हैं। मरीजों के लिए आरक्षित वार्ड खाली मिला। लोकवंधु अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा. अजय शंकर त्रिपाठी ने वताया कि वातानुकूलित वार्ड में छह वेड रिजर्व हैं। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. राजेश श्रीवास्तव ने वताया कि अभी हीट वेव के गंभीर मरीज नहीं आए हैं लेकिन अगर मरीजों की संख्या वढ़ती है तो एसी वार्ड में रिजर्व वेड की संख्या मरीजों की संख्या वढ़ने पर वढ़ाई जाएगी। फिलहाल, लोग स्वयं जागरूकता और वचाव के पालन को अपनाकर इस वीमारी से वच सकते हैं। ठाकुरगंज स्थित टीवी हॉस्पिटल में हीट वेव की तैयारियों को लेकर दावा किया जा रहा है। एक डाक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वलरामपुर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा. हिमांशु चतुर्वेदी के अनुसार कई जगह हीट वेव से वचाव की जागरूकता वाले पोस्टर लगाए गये हैं, ताकी लोग वचाव कर सकें। हीट वेव को लेकर लोग जागरूक हो। इमरजेंसी में अलग से एक हेल्प डेस्क वनायी गयी है, जो मरीजों की हर प्रकार से मदद के लिए तैयार रहती है।

क्या करें : ■हीट वेव/लू के संवंध में प्रचार माध्यमों से जारी की जा रही चेतावनी पर ध्यान दें। ■हीट स्ट्रोक, हीट रैश, हीट कैंप के लक्षणों जैसे कमजोरी, चक्कर आना, सरदर्द, उवकाई, पसीना आना. मूर्छा आदि को पहचानें। ■कमजोरी अथवा मूर्छा जैसी स्थिति का अनुभव होने पर तत्काल चिकित्सीय सलाह लें।

हाइड्रेटेड रहे : ■अधिक से अधिक पानी पिएं, यदि प्यास न लगी हो तव भी। ■यात्रा करते समय पीने का पानी अपने साथ अवश्य ले जाएं। ■ओआरएस, घर में वने हुए पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी, नींवू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें, जिससे शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके। ■जल की अधिक मात्रा वाले मौसमी फल एवं सब्जियों का प्रयोग करें जैसे तरवूजा, खरवूजा, संतरे, अंगूर, अन्नास और खीरा-ककड़ी।

शरीर को ढक कर रखें : ■पसीना शोषित करने वाले हल्के वस्त्र पहनें। ■धूप के चश्मे, छाता, टोपी, व चप्पल का प्रयोग करें। ■अगर आप खुले में कार्य करते है तो सिर, चेहरा, हाथ पैरों को गीले कपड़े से ढके रहे तथा छाते का प्रयोग करें।

अधिक से अधिक समय तक घर या कार्यालय के अंदर रहें : ■उचित वायु संचरण वाले शीतल स्थानों पर रहें। ■सूर्य की सीधी रोशनी तथा हीट वेव को रोकने के लिए उचित प्रवंध करें और अपने घरों को ठंडा रखें। दिन में खिड़कियां, पर्दे तथा दरवाजे वंद रखें विशेषकर घर तथा कार्यालय के उन क्षेत्रों में जहां सूरज की सीधी रोशनी पड़ती हो। शाम/रात के समय घर तथा कमरों को ठंडा करने के लिए इन्हें खोल दें। ■घर से वाहर होने की स्थिति में आराम करने की समयावधि तथा आवृत्ति को वढ़ाएं। ■पंखे, गीले कपड़ों का उपयोग करें।

केजीएमयू में एंजियोग्राफी का शुल्क वढ़ाने की तैयारी

लखनऊ [redacted] किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में दिल की जांच महंगी होगी। एंजियोग्राफी जांच का शुल्क वढ़ाने की तैयारी है। इस मामले को एकेडमिक काउंसिल की वैठक में रखा गया है। शुल्क वढ़ने से जांच के एवज में मरीजों को और जेव ढीली करनी पड़ सकती है। लारी कॉर्डियोलॉजी विभाग में एंजियोग्राफी जांच होती है। प्रतिदिन 30 से अधिक मरीजों की जांच की जाती है। अभी जांच का शुल्क करीव 3300 रुपये निर्धारित है, इसे वढ़ाकर चार हजार रुपये करने की तैयारी है। इसका प्रस्ताव एकेडमिक काउंसिल की वैठक में रखा गया है। डाक्टरों का कहना है कि दिल के मरीजों में एंजियोग्राफी जांच अहम है, इसमें दिल को खून पहुंचाने वाली नसों में रुकावट का पता लगाया जाता है। एंजियोप्लास्टी कर रुकावट को दूर किया जाता है, ताकि मरीजों के दिल को पर्याप्त खून मिल सके। दिल शरीर को जरूरत के हिसाव से खून की आपूर्ति कर सके। अधिकारियों का कहना है कि कॉर्डियोलॉजी विभाग की अन्य जांचों को पीजीआई शुल्क के समान करने की तैयारी है। सरकारी मेडिकल संस्थानों में पीजीआई, केजीएमयू और लोहिया संस्थान में एंजियोग्राफी जांच की सुविधा है।

पावरफुल परमाणु ऊर्जा

कम किया जा सकता है कार्बन उत्सर्जन

नेट जीरो में बड़ी भूमिका निभा सकता है न्यूक्लियर पावर : डा. जगताप

लखनऊ [redacted] देश में परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण प्रयोग को वढ़ावा देने एवं इसके प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इंडियन न्यूक्लियर सोसाइटी (आईएनएस), मुंवई ने पहली वार सेक्टर-14, इन्दिरा नगर एवं सेक्टर- 06, विकासनगर स्थित रानी लक्ष्मी वाई मेमोरियल स्कूल में एक विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान विद्यार्थियों व शिक्षकों ने देश के वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिकों

आरएलबी में विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

के साथ संवाद स्थापित किया तथा परमाणु ऊर्जा की उपयोगिता एवं भविष्य में इसके योगदान की जानकारी हासिल की।

आईएनएस के अध्यक्ष एवं भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुंवई से सेवानिवृत्त प्रसिद्ध परमाणु वैज्ञानिक डा. वी.एन. जगताप ने कहा कि परमाणु ऊर्जा में काफी क्षमता है। इससे स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित तरीके से विजली का उत्पादन कर कार्वन का उत्सर्जन कम किया जा सकता है तथा वर्ष 2070 तक भारत नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने भारत में न्यूक्लियर साइन्स एवं टेक्नालजी के क्षेत्र में हो रही उत्तरोत्तर वृद्धि के वारे में भी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अवगत करवाया। उन्होंने वताया कि किस तरह से आईएनएस देश भर में लोगों को परमाणु ऊर्जा के महत्वपूर्ण आयामों के वारे में वताने एवं लोगों को इसके वारे में जागरूक करने के लिए इसी प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को परमाणु ऊर्जा में शोध करना चाहिए, इसके वारे में जानें व समझें तथा पढ़ाई में परमाणु ऊर्जा के पाठ्यक्रम को चुनें। आने वाले दिनों में इस क्षेत्र में कैरियर की वहुत संभानाएं हैं।

इस मौके पर वीएआरसी, भारत सरकार के पूर्व विशिष्ट वैज्ञानिक डा. रामा राव एवं डा. इन्दिरा प्रियदर्शिनी ने न्यूक्लियर साइन्स एवं टेक्नालजी व खास तौर पर रेडियेशन से जुड़े तमाम महत्वपूर्ण विषयों जैसे एग्रीकल्चर, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन एवं खाद्यान प्रसंस्करण में इसकी उपयोगिता के वारे में चर्चा की। उन्होंने भविष्य में परमाणु ऊर्जा द्वारा लोगों के जीवन स्तर को और भी अधिक वेहतर वनाने के उद्देश्य से परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा किए जा रहे नए-नए अनुसन्धानों के वारे में भी जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत कार्यरत न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के महाप्रवंधक (सी एण्ड एमएम) के.यू. अग्रवाल व उप-महाप्रवंधक (मीडिया) अमृतेश श्रीवास्तव ने वताया कि भारत में आज विभिन्न स्थानों पर 24 न्यूक्लियर पावर प्लांट्स कार्यरत हैं, जिनसे 8,180 मेगावाट क्षमता पर शुद्ध, हरित, सुरक्षित एवं किफायती तरीके से विजली का उत्पादन किया जा रहा है। भारत परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में काफी जिम्मेदारी से कार्य कर रहा है तथा विश्व पटल पर तेजी से उभर रहा है।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मुंवई से आए परमाणु वैज्ञानिकों से परमाणु ऊर्जा की उपयोगिता व भविष्य में इसके योगदान पर जानकारी हासिल की। कार्यक्रम की शुरुवात करते हुए विद्यालय के निदेशक मोहिंदर सिंह, निदेशिका आशा अरोरा एवं प्रधानाचार्या ने मुंवई से आए सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की समाप्ती पर आईएनएस की तरफ से ओ.पी. राय ने धन्यवाद प्रेषित किया।

मेरठ लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी
अरुण गोविल ने किया शहर के मतदान केंद्रों का दौरा

मेरठ के सदर में वोट करने के बाद कवयित्री
अनामिका जैन अंबर और सौरभ जैन सुमन

अलीगढ़ के डी एस कालेज पर बने मतदान केंद्र
पर तीन पीढ़ियों ने डाला एक साथ वोट

पूर्व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने डाला वोट

'हीरामंडी' की स्क्रीलनिंग

मुंबई में नेटफ्लिक्स ने संजय लीला भंसाली की अपकमिंग वेब सीरीज 'हीरामंडी' की स्क्रीनिंग होस्ट की। इस मौके पर सलमान खान, आलिया भट्ट, करण जौहर, विक्की कौशल, रेखा, भूमि पेडनेकर, श्रुति हासन, मृणाल ठाकुर, रश्मिका मंदाना, अनन्या पांडे और अली फजल समेत कई सेलेब्स नजर आए।

खत्म हुआ मनमुटाव ! भांजी आरती की शादी में चीची मामा ने दिया आशीर्वाद

एंटरटेनमेंट डेस्क। कल गुरुवार को अभिनेत्री आरती सिंह ने पूरे रीत–रिवाज के साथ दीपक चौहान के साथ शादी रचाई। इस शादी में टीवी जगत की कई हस्तियां शामिल हुईं। आरती कॉमेडियन–एक्टर कृष्णा अभिषेक की बहन हैं और गोविंदा की भांजी हैं। आरती की शादी से पहले से यह सवाल उछल रहा था कि क्या गोविंदा अपनी भांजी की शादी में आएंगे? दरअसल, कृष्णा अभिषेक के साथ कुछ मतभेदों के चलते यह कयास लगाए जा रहे थे कि चीची शायद आरती की शादी में न आएं, लेकिन अभिनेता न सिर्फ शादी में आए बल्कि आरती को दुआएं देकर गए। गुरुवार 25 अप्रैल को हुए आरती–दीपक चौहान के शादी समारोह में पहुंचकर गोविंदा ने सभी को चौंका दिया।

इस तरह कृष्णा अभिषेक के साथ लंबे वक्त से चले आ रहे झगड़े का भी अंत हो गया। कृष्णा अभिषेक और गोविंदा के बीच करीब आठ वर्षों से मन–मुटाव था। लेकिन, आरती की शादी में दोनों ने इन मतभेदों को भुलाकर खुशी के मौके का जश्न मनाया। इस दौरान गोविंदा मीडिया से रूबरू हुआ और आरती को आशीर्वाद दिया। मीडिया से बातचीत के दौरान गोविंदा ने नव विवाहित जोड़े को आशीर्वाद देते हुए कहा, 'ईश्वर से प्रार्थना है कि जो कृपा आरती पर हुई है किसी प्रकार का वास्तु दोष न लगे। भगवान उसे हर बुरी नजर से बचाएं'। गोविंदा शानदार अंदाज में शादी में पहुंचे। वह ब्लैक कलर के आउटफिट में काफी डैशिंग लगे। हालांकि, भांजी की शादी में गोविंदा अकेले ही आए।

आरती सिंह और दीपक चौहान की शादी में करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य मौजूद रहे। कुछ फिल्मी सितारे भी शामिल हुए। बिपाशा बसु भी पति करण के साथ शादी में पहुंचीं। आरती सिंह का शादी का लुक काफी वायरल हो रहा है। वह लाल रंग के जोड़े में बेहद खूबसूरत लगीं। वहीं, दीपक सफेद रंग की शेरवानी में खूब जंचे।शादी से पहले आरती और दीपक ने प्री–वेडिंग कार्यक्रम भी खूब धूमधाम से आयोजित किए। हालांकि, शादी से पूर्व के एक भी कार्यक्रम में गोविंदा नजर नहीं आए। इसे देखते हुए ही कहा जा रहा था कि शायद वह शादी का हिस्सा भी नहीं बनेंगे। लेकिन, गोविंदा ने शादी में पहुंचकर सारी खबरों को गलत ठहरा दिया। इस शादी में विक्की जैन, माहिरा शर्मा, युविका चौधरी, भारती सिंह समेत कई और सेलेब्स भी आए।

लीक हुई फोटोज में विक्की कौशल को एकदम नए अवतार में देखा जा सकता है. एक्टर, छत्रपति संभाजी महाराज के अवतार में नजर आ रहे हैं.

बड़े नाम या मैदान पर काम, कौन खेलेगा टी20 वर्ल्ड कप?

मुंबई | अमेरिका-वेस्ट इंडीज में होने वाले टी20 वर्ल्ड के लिए भारतीय टीम का ऐलान इस हफ्ते हो सकता है। एक मई को आईसीसी को 15 खिलाड़ियों की सूची भेजने की अंतिम तारीख है। जानकारी के मुताबिक, बीसीसीआई इन खिलाड़ियों के नाम 27 अप्रैल को दिल्ली में फाइनल कर सकती है। हालांकि, टीम में बदलाव 25 मई तक किए जा सकेंगे। टी20 फॉर्मेट में भारत के मौजूदा टैलेंट पूल को देखते हुए सलेक्टर्स का काम मुश्किल रहने वाला है। आईपीएल-17 में युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन से वर्ल्ड कप टीम के दावेदारों की संख्या बढ़ गई है। ऐसे में ऑफिशियल अनाउंसमेंट से पहले भास्कर एक्सपर्ट्स ने अपने अनुभव के आधार पर भारत की टी20 वर्ल्ड कप टीम चुनी। यशस्वी, विराट, शुभमन, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और बुमराह तीनों एक्सपर्ट्स की टीमों में हैं।

सुशील दोशीः रोहित-विराट-पंत जरूरी, इनसे विरोधी डरते हैं

टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम का चयन आईपीएल के आधार पर नहीं हो सकता। वेस्ट इंडीज में गेंद फंसती है और फ्रंट फुट पर शॉट्स नहीं लगते। वहां 150-160 का स्कोर टी20 में विनिंग टोटल हो सकता है। वहां ऐसे अनुभवी खिलाड़ियों को चुनना पड़ेगा, जिनकी तकनीक अच्छी हो, इसलिए रोहित-विराट दोनों को टीम में रखना चाहिए। हार्दिक के खराब फॉर्म को देखते हुए शिवम दुबे को टीम में होना चाहिए। विकेटकीपर में ऋषभ पंत बेस्ट विकल्प हैं। ऐसे बड़े नाम टीम में होने से विपक्षी टीमों में डर बना रहता है। वहीं, चाइनामैन बॉलर कुलदीप मैच जिताऊ खिलाड़ी हैं। इसके बाद अक्षर पटेल, सिराज और बुमराह टीम में होंगे। इस तरह 12-सदस्यीय टीम में तीन पेसर और दो स्पिनर हो जाएंगे।

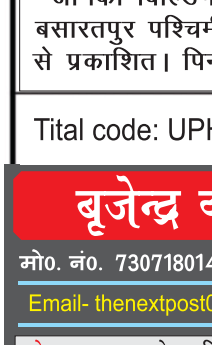

टीमः रोहित (कप्तान), यशस्वी, विराट, शुभमन, सूर्यकुमार, शिवम दुबे, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, बुमराह, सिराज।

अयाज मेमनः कई फिनिशर होने से रिंकू की जगह नहीं

मेरी चुनी गई टीम में सबसे अफसोस की बात है कि बतौर फिनिशर रिंकू सिंह की जगह नहीं बन रही। टीम में पंत, हार्दिक, सूर्या और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी होने से रिंकू का रोल टीम में कम हो जाता है। इसके अलावा रोहित और विराट जैसे नाम तय हैं। टीम में एक बड़ी दुविधा यह रही कि अक्षर पटेल की जगह कैसे बने क्योंकि उनका और रवींद्र जडेजा का एक ही रोल है। फ्रेश चेहरों में टीम में रियान पराग, यशस्वी जायसवाल को जगह दी है और 16वें खिलाड़ी के रूप में शिवम दुबे की जगह भी बन सकती है। रियान इस समय भारत के शायद सबसे ज्यादा इम्प्रूव्ड खिलाड़ी हैं और यशस्वी का पिछले 12 महीनों से जो फॉर्म है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गेंदबाजी में चहल और कुलदीप दोनों को टीम में होना चाहिए।

टीमः रोहित (कप्तान), शुभमन, विराट, ऋषभ पंत, सूर्या, हार्दिक, चहल, सिराज, कुलदीप, अर्शदीप, बुमराह, सिराज, केएल/संजू, रियान पराग, यशस्वी, जडेजा।

अमय खुरासियाः रोहित नहीं शुभमन कप्तान, पंत ओपनर

टी20 वर्ल्ड कप में हालिया फॉर्म ही सलेक्शन का आधार होना चाहिए और आईपीएल इसका अच्छा क्राइटेरिया है। 150+ की स्ट्राइक रेट वाले बैटर्स, अच्छे फील्डर्स और 8 से कम की इकोनॉमी रेट वाले बॉलर्स को जगह मिलनी चाहिए। ये यूनिट 160 के स्कोर पर विपक्षी को रोक सकेगी। हमारे पास चेज करने के लिए सभी 150+ स्ट्राइक रेट वाले बैटर्स होंगे। टीम में हार्दिक-सूर्या नहीं हैं, क्योंकि कई युवा उनसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। रोहित सिर्फ बतौर बल्लेबाज टीम में जगह नहीं बना सके क्योंकि टीम का फील्डिंग स्टैंडर्ड हाई होना चाहिए। उनकी जगह गिल को कप्तान चुना है और पंत उनके साथ ओपनर होंगे। कार्तिक हालिया फॉर्म और फिटनेस के आधार पर बैकअप विकेटकीपर और फिनिशर की भूमिका में हैं। वे और विराट अनुभव भी लाते हैं।

टीमः शुभमन (कप्तान), पंत, विराट, रुतुराज, आशुतोष शर्मा, शिवम दुबे, जडेजा, कुलदीप यादव, हर्षल पटेल, बुमराह, यशस्वी, दिनेश कार्तिक, संदीप शर्मा, युजवेंद्र चहल।

अपनी सफलता का श्रेय विश्वनाथन आनंद को देते हैं गुकेश

चेन्नई | भारतीय शतरंज स्टार डी गुकेश ने उनके कैरियर को निखारने में अहम भूमिका निभाने वाले महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को धन्यवाद देते हुए वृहस्पतिवार को कहा कि अगर आनंद नहीं होते तो वह आज जिस मुकाम पर हैं, उसके करीब भी नहीं होते।

सत्रह वरस के गुकेश ने टोरंटो में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया और वह विश्व चैंपियनशिप खिताव के सवसे युवा चैलेंजर वन गए। उन्होंने 40 साल पुराना गैरी कास्पोरोव का रिकॉर्ड तोड़ा। वह साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देंगे। आनंद के वाद कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले गुकेश ने स्वदेश लौटने के वाद यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'वहुत अच्छा लग रहा है। विश्वनाथन आनंद मेरे प्रेरणास्रोत हैं और उनकी अकादमी से काफी फायदा मिला। उन्होंने मेरे कैरियर में अहम भूमिका निभाई और आज मैं जिस मुकाम पर हूं उसके करीव भी नहीं होता अगर वह नहीं होते।' गुकेश ने 2020 में स्थापित वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी में अभ्यास किया है। लिरेन के खिलाफ मुकावले के वारे में उन्होंने कहा, 'सवसे वड़ी चुनौती यह होगी कि मैं तैयारी कैसे करता हूं।

कैंडिडेट्स चैंपियन गुकेश का चेन्नई पहुंचने पर भव्य स्वागत

चेन्नई | टोरंटो में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रचने वाले युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश का यहां पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। गुकेश के स्कूल वेलाम्मल विद्यालय के सैकड़ों छात्र उनकी उड़ान के पहुंचने के एक घंटे पहले ही से कतार वनाकर हवाई अड्डे पर खड़े थे। उनके अलावा भारी संख्या में प्रशंसक भी मौजूद थे। सत्रह वर्ष के गुकेश देर रात तीन वजे वाहर निकले और भीड़ ने उन्हें घेर लिया।

उन्हें फूलों की मालायें पहनाई गई और पुलिस को उन्हें सुरक्षित वाहर निकालने के लिये काफी मशक्कत करनी पड़ी। गुकेश ने हवाई अड्डे पर मीडिया से कहा, 'मुझे घर आकर वहुत अच्छा लग रहा है। यह खास उपलब्धि है। मैं शुरू से ही अच्छा खेल रहा था और मुझे जीत का यकीन था। किस्मत ने भी मेरा साथ दिया।' उन्होंने कहा, 'यह देखकर अच्छा लग रहा है कि इतने लोग शतरंज देखते हैं। मैं तमिलनाडु सरकार को धन्यवाद देता हूं। मैं अपने अप्पा, अम्मा, कोच, दोस्तों, परिवार, प्रायोजक और स्कूल को भी धन्यवाद दूंगा।' गुकेश की मां पद्मा अपने परिजनों के साथ उन्हें लेने आई थी। गुकेश के पिता ईएनटी सर्जन रजनीकांत ने उनकी तैयारियों के लिए अपनी प्रेक्टिस छोड़ दी थी और उनके साथ टोरंटो गए थे। रजनीकांत ने यहां पहुंचने पर कहा, 'हमारे लिए यह गर्व का पल है। हमें इस उपलब्धि का महत्व समझने में कुछ समय लगा क्योंकि अभी तक काफी व्यस्त कार्यक्रम रहा।' गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया और वह विश्व चैंपियनशिप खिताव के सवसे युवा चैलेंजर वन गए। उन्होंने 40 साल पुराना गैरी कास्पोरोव का रिकॉर्ड तोड़ा। गुकेश ने 14वें और आखिरी दौर में अमेरिका के हिकारू नकामूरा से ड्रॉ खेला। वह साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देंगे।

भारत करेगा विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी का दावा : एआईसीएफ

चेन्नई (भाषा)। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के नव निर्वाचित सचिव देव नटेल ने वृहस्पतिवार को कहा कि भारत डी गुकेश और चीन के डिंग लिरेन के वीच इस साल विश्व चैंपियनशिप मैच की मेजवानी का दावा करेगा। विश्व चैंपियनशिप मुकावले की तारीख और स्थान अभी तय नहीं है। गुजरात शतरंज संघ के प्रमुख पटेल ने कहा, 'हम फिडे से वात करेंगे। हमें उम्मीद है कि भारत में सर्वश्रेष्ठ विश्व चैंपियनशिप खेली जायेगी।' पटेल ने कहा कि एआईसीएफ इस मसले पर फिडे से वात करेगा। उन्होंने कहा कि मेजवानी के दावेदार में गुजरात, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश शामिल हैं।

मुझे सही मानसिक तैयारी के साथ उतरना होगा क्योंकि यह वड़ा मैच है।' उन्होंने कहा, 'काफी अपेक्षाएं हैं और वहुत कुछ दाव पर है। मुझे खुद पर पूरा भरोसा है और मैं इसी रणनीति के साथ खेलूंगा।'

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः— 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

बतौर ओपनर विराट कोहली का बड़ा कारनामा, आईपीएल में पूरे किए 4000 रन

स्पोर्ट्स डेस्क। हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में आरसीबी ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 206 रन बनाए। इसके जवाब में सनराइजर्स 20 ओवर में आठ विकेट खोकर सिर्फ 171 रन बना सकी। किंग कोहली ने 43 गेंदों में 51 रनों की शानदार पारी खेली। आईपीएल 2024 का 41वां मैच गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला गया। इस मुकाबले में आरसीबी ने एसआरएच का किला भेद दिया। बल्लेबाजी के दौरान विराट कोहली औ र रजत पाटीदार ने दमदार प्रदर्शन किया। दोनों ने ताबड़तोड़ अर्धशतक लगाए। दिलचस्प बात यह है कि किंग कोहली ने बतौर सलामी बल्लेबाज आईपीएल में 4000 रन पूरे कर लिए। हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में आरसीबी ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 206 रन बनाए। इसके जवाब में सनराइजर्स 20 ओवर में आठ विकेट खोकर सिर्फ 171 रन बना सकी। किंग कोहली ने 43 गेंदों में 51 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से चार चौके और एक छक्का निकला। इस सीजन में यह उनका चौथा अर्धशतक है। वहीं, पाटीदार ने महज 20 गेंदों का सामना किया और 50 रनों की तूफानी पारी खेली। उनके बल्ले से इस सीजन का यह तीसरा अर्धशतक निकला।

4000+ रन बनाने वाले बल्लेबाज बने कोहली

आरसीबी के लिए बतौर ओपनर किंग कोहली ने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने 4000 रन पूरे कर लिए। 35 वर्षीय खिलाड़ी ने बतौर सलामी बल्लेबाज आईपीएल में 4041 रन बनाए हैं। इसी के साथ वह शिखर धवन और डेविड वॉर्नर के क्लब में शामिल हो गए। पंजाब किंग्स के कप्तान इस मामले में शीर्ष पर हैं। उन्होंने अब तक 6362 रन बनाए हैं। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज वॉर्नर के नाम 5909 रन दर्ज हैं। इस मामले में तीसरे नंबर पर दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल का नाम दर्ज है, जिन्होंने 4480 रन बनाए हैं। विराट इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं।